(3) सतत छीलन :- ऐसी छीलनें तब उत्पन्न होती है जब पिटवां लोहा, मृदु इस्पात, तांबा तथा ऐल्युमीनियम जैसे तन्य पदार्थों का अनुकूल दशाओं के अन्तर्गत मशीनन किया जाता है। छीलन व औजार के अन्तरापृष्ठ पर होने वाले घर्षण को औजार फलक पर उपयुक्त पॉलिश करके और पर्याप्त मात्रा में शीतलक का प्रयोग करके कम किया जा सकता है। हीरक औजारों का प्रयोग करने से भी उक्त घर्षण कम हो जाता है। संक्षेप में, सतत छीलन की उत्पत्ति का मुख्य आधार औजार के आगे वाली धातु का सतत विरूपण होना है। अतः मशीनन के दौरान तन्य पदार्थों का सतत प्लास्टिक विरूपण होने के फलस्वरूप अपेक्षाकृत अधिक लम्बी सतत छीलन, औजार के फलक के सहारे ऊपर की ओर अग्रसर होती है।

प्रेस डाई :- प्रेसों पर सामान्यतः प्रयोग किए जाने वाले औजार पंच तथा डाई होते हैं। पंच तथा डाई दोनों ही भाग एक इकाई के रूप में कार्य करते हैं। इन दोनों ही भागों की संयुक्त इकाई को डाई समुच्चय कहा जाता है। डाई समुच्चय का नर भाग जो प्रेस के रैम से जुड़ा रहता है, पंच कहलाता है। डाई इस संयुक्त इकाई का मादा भाग होता है जिसे सामान्यतः प्रेस के संस्तर पर दृढ़तापूर्वक जकड़ा जाता। डाई में एक छिद्र होता है जो पंच के साथ पूर्ण संरेखण में होता है।

Scanned with CamScanner